डिप्लोमा इन एलिमेन्ट्री एजुकेशन (दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रम

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् , बिहार

जुलाई 2016 से आरम्भ हुए डी.एल.एड. (दूरस्थ शिक्षा) के प्रथम सत्र के प्रशिक्षुओं के लिए

प्रदत्त प्रश्न (Assignment Questions)

प्रथम सत्र का विषयपत्र–S1.3 : भाषा और शिक्षा

प्रश्नों की संख्या : 5	प्रदत्त प्रश्न	अधिकतम अंक : 20

दिशानिर्देश :

- प्रत्येक खण्ड से **एक–एक** प्रश्न करें। लगभग 400–500 शब्दों में उत्तर को लिखें।
- प्रदत्त प्रश्न के उत्तर में निम्नलिखित बिन्दुओं को शामिल किए जाने की अपेक्षा है : 1. डी.एल.एड.(ओ.डी.एल.) की स्वाध्याय सामग्रियों के अध्ययन से बनी समझ। 2. प्राथमिक विद्यालय के पाठ्यपुस्तकों के अध्ययन–अध्यापन से बनी समझ। 3. अध्ययन केन्द्र पर साधनसेवियों व सहप्रशिक्षुओं के साथ हुई चर्चा से बनी समझ। 4. अपने विद्यालय व कक्षाकक्ष की विभिन्न गतिविधियों को करने से बनी समझ।
- अध्ययन केन्द्र पर जैसे ही किसी इकाई की चर्चा समाप्त होती है तो उससे सम्बंधित प्रदत्त प्रश्न को प्रशिक्षुओं द्वारा करके साधनसेवी को तुरन्त समीक्षा हेतु जमा करना होगा। कितने प्रशिक्षुओं ने उक्त प्रदत्त प्रश्न के उत्तर को जमा कराया, इसका रिकार्ड प्रत्येक साधनसेवी द्वारा रखा जाना अनिवार्य होगा, जिसकी जाँच समय–समय पर की जाएगी।

प्र.सं.	खण्ड–1	अंक : 04
1.A	भाषा में वाचिक प्रतीक रचना की समझ सीखने–सिखाने प्रक्रिया को किस प्रकार बेहतर बना सकती है? सोदाहरण व्याख्या करें।	
1.B	एक तस्वीर/चित्र का उदाहरण देते हुए यह विश्लेषण कीजिए कि भाषा किस प्रकार समझ बनाने का साधन है?	
1.C	शब्द संरचना, वाक्य संरचना और संवाद संरचना को उदाहरण देकर समझाएं।	
1.D	मानव और पशु की भाषा में किस प्रकार का अंतर है, समझाएं।	
1.E	भाषा की नियमबद्ध व्यवस्था क्या है? व्याख्या करें।	

प्र.सं.	खण्ड–2	अंक : 04
2.A	बहुभाषिकता समस्या है या भाषायी समृद्धि? कुछ उदाहरण देते हुए अपना तर्क दें।	
2.B	भारत का प्रत्येक बच्चा बहुभाषिक है। इस कथन के बारे में अपनी राय बताइए। कुछ उदाहरणों की मदद से अपने तर्क को प्रस्तुत करें।	
2.C	भाषाओं के संदर्भ में संवैधानिक प्रावधानों का विश्लेषण कीजिए। अपके अनुसार उनमें से कौन सा प्रावधान अपने विद्यालय को प्रभावित करता है।	
2.D	बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 में बहुभाषिकता के बारे में क्या कहा गया है? बताएं।	
2.E	बच्चों को एक साथ एक से अधिक भाषा पढ़ने में क्या कोई पेरशानी होती है। क्यों या क्यों नहीं?	

प्र.सं.	खण्ड–3	अंक : 04
3.A	क्या बच्चों में भाषा अर्जन क्षमता जन्मजात होती है। इसका प्रयोग आप अपनी कक्षायी शिक्षण में कैसे करेंगे, उदाहरण देते हुए समझाएं।	
3.B	आपके विचार से बच्चे भाषा कैसे सीखते हैं? अपने अनुभवों के आधार पर बताइए।	
3.C	विद्यालय आने से पूर्व बच्चों के पास भाषायी पूंजी होती है। इस कथन के संदर्भ में अपनी भाषा की पाठ्य–पुस्तक में से कोई ऐसे पांच उदाहरण दीजिए जो इस बात को पुष्ट करते हैं।	
3.D	भाषा अर्जित करने और भाषा सीखने में क्या कोई अंतर है? उदाहरण देते हुए स्पष्ट करें।	
3.E	एक शिक्षक/शिक्षिका की भाषा और विद्यालय में आनेवाले बच्चे की भाषा में किस प्रकार का अंतर होता है? इससे कक्षायी शिक्षण पर क्या प्रभाव पड़ता है, सोदाहरण बताएं।	

प्र.सं.	खण्ड–4	अंक : 04
4.A	शुरुआती पढ़ना–लिखना क्या है? आप वर्ग एक और दो के बच्चों को पढ़ना–लिखना सिखाने के लिए किन तरीकों का प्रयोग करेंगे?	
4.B	अंग्रेज़ी और हिंदी की लिपियों के बीच के अंतर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।	
4.C	अपनी भाषा और लिपि से कुछ उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए कि भाषा और लिपि में अनिवार्य संबंध होता है या नहीं होता है।	
4.D	किसी एक भाषा की पाठ्य–पुस्तक से किन्हीं दो इकाइयों का उदाहरण देते हुए उनके सीखने–सिखाने के उद्देश्यों का विश्लेषण करें।	
4.E	बच्चों में भाषा कौशलों (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) का विकास करने के लिए कोई पांच–पांच अभ्यास बनाइए।	

प्र.सं.	खण्ड–5	अंक : 04
5.A	पहली से आठवीं कक्षा की किसी एक पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण कर बताएं कि उसमें उपयोग में लाई गई भाषा में कहाँ–कहाँ जेंडर (सामाजि लिंग–भेद) उपस्थित है?	
5.B	क्या शब्दों में भी भेदभाव पैठा होता है? सोदाहरण समझाएं।	
5.C	भाषा और अस्मिता में क्या सम्बंध है? कुछ उदाहरणों की सहायता से बताएं।	
5.D	अपने आस–पास बोली जाने वाली भाषाओं का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समझाएं कि उनमें भाषायी विविधता किस प्रकार है।	
5.E	क्या भाषा और बोली में कोई अंतर है? अपने जवाब को तर्कों के साथ स्पष्ट करें।	